Re : Need to conduct impartial entrance examination for NEET (UG) and UGC (NET)-laid

श्री राजीव राय (घोसी) **:** प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे NEET (UG), UGC-NET आदि की परीक्षा प्रणाली की ईमानदारी, जो लाखों युवाओं के भविष्य को तय करती है जो भारत के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में मेरिट के आधार पर प्रवेश की आकांक्षा रखते हैं, प्रश्न पत्र लीक से जुड़े घोटालों के कारण समझौता किया गया है । इसने देश को झकझोर कर रख दिया है ।

लगभग 24 लाख NEET (UG) अभ्यर्थी सीधे प्रभावित हुए हैं और कई बार उस संख्या से अधिक जो परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, वे निराश महसूस कर रहे हैं । मीडिया में रिपोर्ट के अनुसार उपलब्ध सबूतों से पता चलता है कि बिहार, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र आदि राज्यों में व्यापक नेटवर्क वाले एक अंतर-राज्यीय गिरोह और सिंडिकेट्स की संलिप्तता है । NTA की विश्वसनीयता और परीक्षा प्रणाली से जुड़े सभी लोगों, विशेषकर शिक्षा मंत्रालय, पर बड़ा प्रश्नचिन्ह है, जिसने शुरू के कुछ दिनों तक इनकार की स्थिति में था । हालांकि, जनता के बढ़ते दबाव ने उन्हें जांच का आदेश देने के लिए मजबूर कर दिया ।

मैं केंद्रीय सरकार से अनुरोध करता हूं कि NEET (UG) को रद्द करने जैसे तात्कालिक उपाय करें, जो विवादों में घिरा हुआ है, IITS/NITS/UPSC के विशेषज्ञों के पैनल को शामिल करके NEET (UG) की निष्पक्ष पुनः परीक्षा आयोजित करें और नए प्रवेश पत्र, नए रोल नंबर, बदले गए परीक्षा केंद्र आदि जारी करने को सुनिश्चित करें और अभ्यर्थियों में विश्वास जगाएं । इसके अलावा, वर्तमान सत्र की शुरुआत में देरी और पाठ्यक्रम की पूर्ति से संबंधित मुद्दों, इसके समायोजन या विस्तार आदि को भी विशेषज्ञ पैनल द्वारा विचार किया जा सकता है । किसी भी स्थिति में, भारत में प्रतियोगी/प्रवेश परीक्षाओं की प्रतिष्ठा को बनाए रखना और उसे एक अटूट और प्रश्नातीत प्रतिष्ठा प्रदान करना आवश्यक है ।